बुधवार
11 मार्च 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 46
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

फोन नहीं उठ रहे, सिलेंडर नहीं मिल रहा- उपभोक्ता बेहाल

हमारे संवाददाता

देहरादून। जहां एक तरफ राज्य में आयुक्त खाद्य नागरिक आपूर्ति द्वारा बयान जारी कर यह बताया जा रहा है कि राज्य में घरेलू गैस की पर्याप्त उपलब्धता है जिसके चलते, उपभोक्ताओं को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। वहीं दूसरी ओर गैस ऐजेसिंयों द्वारा उपभोक्ताओं का या तो फोन नहीं उठाये जा रहे है या फिर उन्होने ऐसा सिस्टम कर दिया है कि फोन जा ही नहीं रहे हैं। ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि झूठ कौन बोल रहा है?

अमेरिका, इजराइल और ईरान युद्ध के बीच उपजे हालात से जिले में पहले घरेलू और कामर्शियल सिलेंडरों के दामों मे बढ़ोत्तरी हुई वहीं अब पिछले 48 घंटो से गैस की आपूर्ति प्रभावित होने के कारण जिले में दो दिन का बैकलाग खड़ा हो गया। जिससे आम उपभोक्ताओं में बेचैनी देखी जा रही है।

इस बीच आयुक्त खाद्य, नागरिक आपूर्ति ने बताया गया है कि वर्तमान में प्रदेश में घरेलू गैस की किसी प्रकार की कमी नहीं है, इसलिए उपभोक्ताओं को घरेलू गैस की उपलब्धता को लेकर किसी भी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा मध्य पूर्व एशिया में जारी संघर्ष की स्थिति को ध्यान में रखते हुए आवश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत "प्राकृतिक गैस आपूर्ति विनियमन आदेश, 2026" प्रख्यापित किया गया है, जिसके तहत गैस आपूर्ति व्यवस्था

पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

वहीं दूसरी ओर राजधानी दून सहित प्रदेश के सभी जिलो में जब गैस ऐजसिंयों को इन दिनो जब फोन मिलाया जा रहा है तो या तो वहां कोई फोन नहीं उठा रहा है या फिर उन्होने अपने सिस्टम में कुछ ऐसा परिवर्तन कर दिया है कि फोन जा ही नही रहा है। ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि जब राज्य में गैस की कमी नहीं है तो फिर उपभोक्ताओं के फोन क्यों नहीं रिसीव किये जा रहे है। ऐसे में यही कहा जा सकता है कि या तो विभाग सच्चाई को नकार रहा है या फिर गैस ऐजेसिंया कुछ झोल झपाटा कर रही है।

बोरे में मिला महिला का शव

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून के प्रेमनगर क्षेत्र में आज सुबह एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। भाउवाला स्थित बालासुंदरी मंदिर के पास जंगल में बोरे में बंद एक महिला का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गयी है।

जानकारी के अनुसार स्थानीय लोगों को जंगल में पड़े एक बोरे से तेज बदबू आने लगी। संदेह होने पर लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही प्रेमनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और बोरे को खोलकर देखा तो उसमें एक महिला का शव मिला। बताया जा रहा है कि मृतका की उम्र करीब 35 वर्ष के आसपास है। पुलिस के अनुसार शव

की हालत देखकर अंदेशा जताया जा रहा है कि महिला की हत्या करीब 3 से 4 दिन पहले की गई है। हत्या के बाद आरोपियों ने शव को ठिकाने लगाने के लिए उसे बोरे में बंद कर जंगल में फेंक दिया। वहीं घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

फिलहाल पुलिस महिला की पहचान कराने की कोशिश कर रही है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि आरोपियों तक पहुंचा जा सके। वहीं घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है।

दून वैली मेल

संपादकीय

महाराज का तुगलकी बयान

गैरसैंड में चल रहे बजट सत्र के दौरान एक तरफ यूकेडी जैसे दलो के नेता गैरसैण को राज्य की स्थाई राजधानी बनाने की मांग को लेकर जबरदस्त आंदोलन प्रदर्शन कर रहे हैं वहीं दूसरी ओर राज्य के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज पत्रकारों को बता रहे हैं कि पर्यटन विभाग भराड़ीसैंण में बनाए गए विधानसभा भवन को कॉरपोरेट मैरिज डेस्टीनेशन के रूप में विकसित करने की योजना बना रहे हैं उनका कहना है कि यह भव्य भवन आने वाले समय में एक वाइट एलीफेंट न बनकर रह जाए इसलिए वह चाहते हैं कि इसका उपयोग कॉरपोरेट जन मिलन (मीटिंग)और मैरिज डेस्टिनेशन के रूप में किया जाना चाहिए उनका तर्क है कि इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा तथा रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उनके इस बयान को लेकर हंगामा होना अति स्वाभाविक है। उनके द्वारा दिया गया यह बयान सिर्फ इसलिए हैरान करने वाला व आपत्तिजनक नहीं है, उन्हें गैरसैण राजधानी के साथ जुड़े पहाड़ के लोगों की जन भावनाओं का भी ज्ञान नहीं है बल्कि इसलिए भी आश्चर्यजनक है उन्हें विधानसभा भवन की संवैधानिक महत्ता का भी बोध नहीं है। राज्य के विधान भवनों और संसद भवन को लोकतंत्र का मंदिर कहा जाता है। जहां बैठकर देश और प्रदेश का नेतृत्व कर रहे माननीय नियम और कानून बनाने का कार्य करते हैं तथा जन राष्ट्रीय हित और समाज कल्याण पर चिंतन-मंथन और चर्चा की जाती है। भले ही सतपाल महाराज का राजनीतिक अनुभव कितना भी लंबा क्यों न हो लेकिन उनका यह बयान अत्यंत ही बचकाना और हास्यास्पद है? क्या सतपाल महाराज बता सकते हैं कि उन्होंने किसी अन्य राज्य में विधानसभा भवन को ऐसे बहुआयामी बनाने का उदाहरण देखा या सुना है? अगर नहीं तो फिर उनके दिमाग में ऐसा विचार भी कैसे आ गया। खास बात यह है कि यह कोई पहला मर्तबा नहीं है जब उन्होंने ऐसा बयान दिया हो, वह कभी टिहरी झील में पनडुब्बियों से पर्यटकों को जल मग्न हो चुकी टिहरी के दर्शन कराते हैं तो कभी घनसाली में पर्यटकों को दिन में तारे दिखाने का चमत्कारी बयान देकर सभी को सोचने पर विवश कर देते हैं कि क्या उनके पास ऐसा कोई चमत्कार है। कभी वह कहते हैं कि उत्तराखंड के लोगों को चार धाम यात्रा पर आने वाले यात्रियों के पैर दबाने चाहिए तो कभी वह राज्य की नदियों में सी-प्लेन उतारने की बात कहते हैं। आज यह अहम सवाल है कि राज्य गठन से लेकर मंत्री पद पर आसीन रहने वाले सतपाल महाराज ने अपने कार्यकाल में पर्यटन को कितनी ऊंचाई तक पहुंचाया है? सच यह है कि पर्यटन राज्य का सबसे महत्वपूर्ण विभाग है एक समय में इस राज्य को पर्यटन राज्य के रूप में विकसित करने की बात चर्चाओं के केंद्र में रही है फिर भी राज्य का पर्यटन विभाग आज तक फिस्सडी है। अब रही बात विपक्ष से विरोध की तो जब सत्ता में बैठे मंत्री और विधायक इस तरह उटपटांग बयान देंगे या काम करेंगे तो विपक्ष को हमलावर होने का मौका मिलना अति स्वाभाविक है। अभी भाजपा के विधायकों ने गैरसैंण में ऑक्सीजन की कमी बताते हुए यहां राजधानी के फैसले को ही गलत बता दिया गया था। गैरसैंण में बर्फ पड़ती है सर्दी होती है यहां क्या कोई अपने बाप को मरने के लिए भेज सकता है यह सब भाजपा नेताओं के बयान बताने के लिए काफी हैं कि गैरसैंण राजधानी को लेकर वह कितने संवेदनशील है।

पहाड़ी शहर बनेंगे 'स्मार्ट'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। सूबे के पहाड़ी क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के लिए आमजन प्रतिदिन सड़क पर उतरकर मांग कर रहे हैं और उनकी आवाज सरकार के कानों तक नहीं पहुंच रही है। राज्य बने इतना लंबा समय हो गया और आज भी पहाड़ के लोग खुद को ठगा ही महसूस कर रहे हैं। क्योंकि जिस मूल धारणा को लेकर राज्य का गठन किया गया था वह आज भी अधूरा है। ऐसे में प्रदेश सरकार प्रदेश के पहाड़ी शहरों को स्मार्ट बनाने की योजना बनाकर चुनावी साल में मतदाताओं को अपनी ओर खींचने के लिए दाव खेला है।

बता दें कि प्रदेश को बने दो दशक से भी अधिक का समय हो गया है और सूबे के खासकर पहाड़ी जिलों में विकास की किरण के नाम पर सिर्फ योजनाएं ही बनी हैं धरातल पर आज दिन तक कुछ नहीं दिखा। चुनाव आते ही नेता अपने पुराने वायदों को भूलकर नई योजना का शिगूफा फेंककर आमजन को यह दर्शाने की कोशिश करते हैं कि उनका भला करने वाला कोई ओर नहीं है सिर्फ वही हैं और जनता भी नेताओं के बहकावे में

●चुनावी साल में प्रदेश सरकार ने खेला मूलभूत सुविधाओं के लिए मास्टर स्ट्रोक
●पहाड़ी जनपदों में स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार सहित अन्य समस्याओं का अंबार
●पहाड़ी शहरों को स्मार्ट बनाने से रोजगार व पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद

आ जाते है।

पहले पहाड़ी जिलों की बात करें तो पहाड़ी जनपदों में स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार सबसे बड़ा मुद्दा था और आज भी है। पहाड़ी जिलों में स्वास्थ्य सुविधा का ऐसा बुरा हाल है कि यहां अस्पताल तो बने हैं, लेकिन उनमें डाक्टर और स्वास्थ्य सुविधाओं का भारी अकाल है। इससे ऐसा लगता है कि अस्पताल सफेद हाथी के समान है। आमजन स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को लेकर सड़क से सदन तक अपनी मांग रख चुकी है, लेकिन सरकार आंकड़ों की बाजीगरी खेलकर आमजन को चुनावी साल में वादों की झड़ी लगाकर फिर से खेल खेल देती है।

यही हाल प्रदेश के पहाड़ी जनपदों में शिक्षा और रोजगार का भी है। शिक्षा के नाम पर स्कूल भवन जो सालों पहले बने थे आज भी वैसे ही है। स्कूलों में शिक्षक तो है, लेकिन उन स्कूलों में अब पढ़ने वाले बच्चों की संख्या इतनी कम है कि अब सरकार को मजबूरन उन्हें बंद करने के लिए सोचना पड़ रहा है। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण पहाड़ी जिलों में रोजगार का है। पहाड़ी जनपदों में रोजगार की कमी के कारण आज गांव के गांव खाली होने की कगार पर है। पहाड़ में जो संपन्न है वह मैदानी क्षेत्रों की ओर रूख कर चुका है और जो गांवों में बचे है वह मजबूरी में जिंदगी और मौत के बीच जीवन काट रहे है।

पहाड़ी जिलों में समस्याओं का अंबार है और इनसे उन्हें छुटकारा नहीं मिल पा

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

देवभूमि की धरोहर 'देवतत्व' को संवारने के लिए प्रयासरत धामी सरकार

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी देवभूमि उत्तराखंड के 'देवतत्व' को संवारने के लिए प्रयासरत हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी देवभूमि उत्तराखंड के 'देवतत्व' को संवारने के लिए प्रयासरत हैं। इसी दिशा में वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में भी हरिद्वार कुंभ, हरिद्वार- ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर, नंदा देवी राजजात, सरयू रिवर फ्रंट सहित कई परियोजनाओं के लिए बजट आवंटन किया गया है। गंगा, यमुना, चारधाम, आदि कैलाश और कई शक्ति पीठों की पुण्य भूमि होने के कारण, उत्तराखंड दुनिया भर के सनातन मतावलंबियों की आस्था का केंद्र रहा है। इसी क्रम में प्रदेश सरकार, उत्तराखंड को धार्मिक, आध्यात्मिक पर्यटन- तीर्थाटन के प्रमुख केंद्र के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास

कर रही है। इससे प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों में भी तेजी आने की उम्मीद है। बद्रीनाथ - केदारनाथ पुन निर्माण परियोजना के साथ ही सरकार पहले ही मानसखंड मंदिर माला के तहत 48 मंदिरों के आस पास अवस्थापना विकास के कार्य प्रारंभ कर चुकी है। अब इसी क्रम में प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में भी ऐसी कई योजनाओं के लिए धनावंटन किया है। प्रदेश सरकार ने बजट में हरिद्वार कुंभ मेला के लिए एक हजार करोड़ रुपए का प्राविधान किया है। इसके साथ ही हरिद्वार-ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर परियोजना के लिए पूंजीगत निवेश हेतु राज्यों को विशेष सहायता योजना के तहत दो हजार करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। इसी तरह आगामी नंदा देवी राजजात के लिए 25 करोड़ रुपए का प्राविधान किया गया है। सरकार तीर्थाटन को बढ़ावा देने के लिए पहले ही शीतकालीन यात्रा प्रारंभ कर चुकी है। धामी सरकार ने सरयू और अन्य रिवर फ्रंट योजनाओं के साथ ही हरिपुर कालसी में यमुना घाट के लिए भी बजट का प्राविधान किया है। इसी तरह स्प्रिचुअल इकोनॉमी जोन के लिए 10 करोड़ का प्राविधान किया गया है। इसके साथ ही सरकार ने संस्कृत पाठशालाओं के अनुदान के लिए 28 करोड़ रुपए दिए हैं।

खोये मोबाइल फोन को वापस पाकर लौटी मुस्कान

संवाददाता

उत्तरकाशी। पुलिस की टीम द्वारा सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से करीब 4 लाख कीमत के 19 मोबाइल फोन को बरामद किया गया है।

आज यहां कोतवाली उत्तरकाशी पुलिस की टीम द्वारा सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से करीब 4 लाख कीमत के 19 मोबाइल फोन को बरामद किया गया है। बरामद मोबाइल फोन को आज 11 मार्च 2026 पुलिस कार्यालय उत्तरकाशी में पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती कमलेश उपाध्याय द्वारा फोन स्वामियों को वापस लौटाया गया। एसपी उत्तरकाशी द्वारा बताया गया कि सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से कई लोगों की मोबाईल गुम होने की शिकायतें प्राप्त होती रहती हैं, जिनकी रिकवरी के लिए हमारे यहां प्रत्येक थाना/साइबर स्टेशन पर टीमें नियुक्त हैं। आप भी अपने खोये मोबाईल फोन के सम्बन्ध में सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत रजिस्टर्ड कर ट्रैस करवा सकते हैं। सीईआईआर पोर्टल पर

शिकायत रजिस्टर्ड करने के लिये मोबाइल बिल, आईडी कार्ड, मिसिंग रिपोर्ट आदि कागजात जरुरी हैं। आम नागरिको को सचेत करते हुये उनके द्वारा बताया गया कि आजकल बहुत सी आपराधिक घटनाएं मोबाइल के जरिए हो रही हैं, ऐसे में लोगों का जागरुक होना बहुत जरुरी है, किसी भी व्यक्ति से पुराना मोबाईल खरीदने से पहले उसके बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर लें। भरोसेमंद दुकान से ही मोबाइल खरीदें। नया मोबाईल खरीदने पर उसका बिल एवं आईएमईआई नम्बर अपने पास सुरक्षित रखें। इस दौरान पुलिस उपाधीक्षक उत्तरकाशी जनक सिंह पंवार, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली श्रीमती भावना कैंथोला एवं निरीक्षक अभिसूचना विकास नौटियाल भी मौजूद रहे।

'एचआईवी एड्स की जानकारी ही बचाव है' विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित

प्रतिनिधि

रुद्रपुर। सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रुद्रपुर में यूथ रेडक्रास सोसायटी एवं सुभाष चंद्र बोस यूथ क्लब, रुद्रपुर ब्लॉक के संयुक्त तत्वाधान में 'एच.आई.वी./एड्स की जानकारी ही बचाव है' विषय पर एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा एड्स के सम्बन्ध में जागरूकता के प्रचार प्रसार के लिए प्रदेश भर में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

भाषण प्रतियोगिता में बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के गणेश भट्ट ने प्रथम, बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर की अनामिका सिंह ने

द्वितीय तथा बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के अजय कुमार मिश्र ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अवधेश नारायण सिंह ने भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को मेडल पहनाकर सम्मानित किया । इस प्रतियोगिता के विजेताओं शीघ्र ही जनपद के स्वास्थ्य विभाग द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा ।

इस कार्यक्रम में समाजशास्त्र विभाग के प्रो. रवीन्द्र कुमार सैनी, संस्कृत विभाग की डॉ.निमिता कान्याल और हिंदी विभाग की डॉ. रूमा शाह एवं डॉ.सुमन फुलारा ने निर्णायक मण्डल की भूमिका निभाई।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ.राजेश कुमार सिंह, सह प्रभारी डॉ.अलंकृता सिंह, सुभाष चंद्र बोस युवा क्लब की तनीशा चावला तथा रेडक्रॉस के स्वयंसेवी मौजूद रहे।

योग, ध्यान और प्राणायाम से गूंजा परमार्थ निकेतन

ऋषिकेश(आरएनएस)। परमार्थ निकेतन आश्रम स्वर्गाश्रम ऋषिकेश में सात दिवसीय अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव-2026 का आगाज हो गया है। जिसमें 80 देशों के 1500 से ज्यादा योग जिज्ञासु भाग ले रहे हैं। पहले दिन हुए विभिन्न सत्रों में योग जिज्ञासुओं ने योग और अध्यात्म को करीब से जाना। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती और साध्वी भगवती सरस्वती के सानिध्य में योग साधकों ने विश्व शांति यज्ञ में आहूतियां डालकर महोत्सव का शुभारंभ किया। स्वामी चिदानंद सरस्वती ने योग जिज्ञासुओं को योग और ध्यान साधना से जीवन में आने वाले सकारात्मक बदलावों से अवगत कराते हुए प्रेरित किया। कहा कि सांसों की पवित्र लय के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव 2026 शुरू हुआ है। हिमालय की गोद और मां गंगा के पवित्र तट पर आरम्भ हुआ यह महोत्सव पूरी मानवता को एक सूत्र में जोड़ने वाला वैश्विक आध्यात्मिक संगम है। विश्व के विभिन्न देशों से आए हजारों योग साधक, आध्यात्मिक गुरु और योग जिज्ञासु यहां एकत्र होकर योग, ध्यान, प्राणायाम और साधना के माध्यम से शांति, संतुलन और समरसता का संदेश दे रहे हैं। इस महोत्सव का उद्देश्य केवल योग का अभ्यास कराना ही नहीं, बल्कि मानव चेतना को जागृत करना और मानवता को एकत्व प्रदान करना है। इंटरनेशनल योग फेस्टिवल की निदेशक डा. साध्वी भगवती सरस्वती ने कहा कि आज विश्व में जो भी चुनौतियां, अन्याय या असंतुलन दिखाई दे रहा हैं, उनके प्रति जो क्रोध या निराशा हमारे भीतर उठती है, उसे अपने हृदय के द्वार पर दस्तक समझें। यह संकेत है कि कहीं न कहीं संतुलन बिगड़ा हुआ है। फिर ऐसी साधना विकसित करें, जिसके माध्यम से आप उस क्रोध या निराशा को ईश्वर अथवा प्रकृति को समर्पित कर सकें।

आग के धुएं से आंखों में जलन और सांस लेने में दिक्कत

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। रुद्रप्रयाग जिले के कई क्षेत्रों व चमोली जिले के जंगलों में लगी आग के कारण धुआं फैलने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। केदारनाथ वन प्रभाग के साथ ही जखोली और रुद्रप्रयाग रेंज के जंगलों में आग लगने से वातावरण में धुआं छा गया है। इससे लोगों को आंखों में जलन और सांस लेने में दिक्कत हो रही है और वह जिला अस्पताल पहुंच रहे हैं। अस्पताल की ओपीडी में आंखों में जलन, लालिमा व ऊपरी श्वसन तंत्र संक्रमण के मामले भी बढ़े हैं। वहीं दमा के मरीजों का सांस फूल रहा है और घरघराहट हो रही है। जिला अस्पताल के फिजीशियन डॉ. महेश जोशी ने बताया कि धूल-धुआं, परागकण और वायरल इसके मुख्य कारण हैं। उन्होंने लोगों को मास्क पहनने, धूल से बचने, हाथों की स्वच्छता बनाए रखने तथा दमा के मरीजों को नियमित इनहेलर साथ रखने की सलाह दी है। वहीं नेत्र चिकित्सक डॉ. अंब ने बताया कि धुएं के कारण आंखों में जलन और लाल होने की समस्या बढ़ रही है। उन्होंने लोगों को बाहर निकलते समय चश्मा पहनने और आंखों में जलन होने पर आंख न मलने की सलाह दी है। साथ ही समस्या बढ़ने पर चिकित्सकीय परामर्श लेने को कहा है।

अरावली बचानी है तो नई बटालियन खोले केंद्र सरकार: पूर्व सैनिक

पिथौरागढ़(आरएनएस)। पर्यावरण बटालियन के विस्थापन के विरोध में पूर्व सैनिकों का धरना 22वें दिन भी जारी रहा। पूर्व सैनिकों का कहना है कि यदि केंद्र सरकार को अरावली बचानी है तो वहां नई बटालियन खोलनी चाहिए। उनका आरोप है कि हिमालय को खतरे में डालकर अरावली बचाने का प्रयास किया जा रहा है, जो उचित नहीं है। अरावली क्षेत्र को बचाने के लिए वहां के स्थानीय पूर्व सैनिकों को शामिल कर नई बटालियन की स्थापना की जानी चाहिए।

एसएसपी ने निर्माणाधीन थाना भवन का किया निरीक्षण

रुड़की(आरएनएस)। कलियर में निर्माणाधीन थाना भवन का एसएसपी हरिद्वार नवनीत सिंह भुल्लर ने निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और प्रगति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को समय सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने निर्माण इकाई के अधिकारियों और थाना प्रभारी को निर्देशित किया कि भवन निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना पुलिस विभाग के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, इसलिए इसे निर्धारित समय सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने निरीक्षण के दौरान फरियादियों के आने-जाने के रास्ते, थाना कार्यालय सहित अन्य व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माणाधीन भवन का समय-समय पर निरीक्षण करते रहें और कार्य की प्रगति पर नजर बनाए रखें। यदि निर्माण कार्य में किसी प्रकार की तकनीकी कमी सामने आती है तो उसे तत्काल दूर कराया जाए। उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों के साथ बेहतर समन्वय बनाकर निर्माण कार्य को तेजी से पूरा किया जाए, ताकि नया थाना भवन जल्द तैयार होकर पुलिस और आम जनता को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

क्षेत्र में नहीं है जल निकासी की कोई पुख्ता व्यवस्था

उत्तरकाशी (आरएनएस)। जोशियाड़ा वार्ड में जलभराव की समस्या के समाधान के लिए प्रशासन की ओर से कोई उचित कदम नहीं उठाया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वहां पर ड्रेनेज सिस्टम के लिए कई बार प्रशासन की ओर से संयुक्त सर्वे भी करवाया गया लेकिन उससे आगे कार्रवाई नहीं बढ़ पाई है। अब दोबारा बरसात में उन्हें इस समस्या का सामना करना पड़ेगा। जोशियाड़ा वार्ड के लोगों ने सभासद सुनीता नेगी के नेतृत्व में जिलाधिकारी से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि वार्ड के कालेश्वर मार्ग पर कई वर्षों से बरसात के दौरान जलभराव के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नालियों पर अतिक्रमण होने के कारण बरसात का पूरा पानी लोगों के घरों में घुसने के कारण उन्हें हर वर्ष नुकसान उठाना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने कहा कि क्षेत्र के लोग लंबे समय ड्रेनेज सिस्टम निर्माण की मांग कर रहे हैं लेकिन हर बार अधिकारियों की ओर से सर्वे किया जाता है। उसके बाद किसी प्रकार की कार्रवाई आगे नहीं बढ़ पाती है। गत वर्ष भी सिंचाई, राजस्व सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण कर जल्द ही कार्ययोजना तैयार करने का आश्वासन दिया था लेकिन योजना पर अभी तक कार्य आगे नहीं बढ़ पाया है।

साथ ही अब दोबारा बरसात का मौसम आने वाला है। इससे लोगों को एक बार फिर नुकसान का डर सताने लगा है। उन्होंने जल्द ही कालेश्वर मार्ग से अतिक्रमण हटाने और ड्रेनेज सिस्टम योजना को शुरू करने की मांग की है। कई बार वे धरना प्रदर्शन भी कर चुके हैं। इसलिए अब अगर जल्द कार्रवाई नहीं होती है तो आगे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होन पड़ेगा। डीएम प्रशांत आर्य ने एक सप्ताह के भीतर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का आश्वासन दिया है। इस मौके पर आशीष नेगी, खुशपाल भंडारी, बृजलाल सिलवाल, बलवीर असवाल, हिम्मत राणा, किशन सिंह, बचन राणा, अवतार परमार, राजेंद्र सिंह, खुशपाल आदि मौजूद रहे।

मैखण्डा और बष्टी गांव में हुई चौपाल

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। पुलिस और जनता के बीच संवाद मजबूत करने के उद्देश्य से रुद्रप्रयाग पुलिस के प्रहरी पड़ाव अभियान का लगातार गांवों में आयोजन हो रहा है। दो मार्च से शुरू हुए इस अभियान के पहले सप्ताह में पुलिस टीम 13 गांवों में रात्रि चौपाल और रात्रि प्रवास कर चुकी है। पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर की पहल पर शुरू यह अभियान 15 अप्रैल तक चलाया जाएगा। अभियान के तहत पुलिस टीमें गांवों में रुककर सीधे ग्रामीणों से संवाद कर रही हैं और सुरक्षा संबंधी समस्याओं को समझ रही हैं। इधर रविवार रात को चौकी फाटा के मैखण्डा और चौकी बसुकेदार के बष्टी गांव में चौपाल की गई जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए।

धारानौला-करबला मार्ग पर पार्किंग निर्माण के लिए स्थलों का निरीक्षण

अल्मोड़ा(आरएनएस)। शहर के धारानौला-करबला मार्ग पर जाम की समस्या के समाधान के लिए संभावित पार्किंग स्थलों का निरीक्षण किया गया। स्थानीय पार्षदों की पहल पर प्राधिकरण के अधिशासी अभियंता मौके पर पहुंचे और पार्षदों के साथ मिलकर उन स्थानों का निरीक्षण किया, जहां भविष्य में पार्किंग निर्माण की संभावना है। पार्षदों ने बताया कि धारानौला रोड पर लंबे समय से जाम की स्थिति बनी रहती है, जिसका मुख्य कारण क्षेत्र में व्यवस्थित पार्किंग की व्यवस्था का अभाव है। इस समस्या को लेकर पार्षदों द्वारा पूर्व में भी ज्ञापन देकर शासन-प्रशासन को अवगत कराया गया था।

पार्षद दीपक कुमार ने बताया कि इस संबंध में उन्होंने कई बार ज्ञापन दिए थे, जिसके बाद पहले भी कुछ स्थान चिन्हित किए गए थे। हालांकि उस समय कुछ स्थान छूट गए थे, जहां पार्किंग बनने से आम जनता को राहत मिल सकती है। आज के निरीक्षण में उन सभी संभावित स्थलों को भी चिन्हित कर लिया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रशासन जल्द ही आवश्यक कार्रवाई करते हुए पार्किंग निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाएगा, जिससे धारानौला से करबला क्षेत्र तक जाम की समस्या से लोगों को राहत मिल सकेगी। निरीक्षण के दौरान दीपक कुमार, अनूप भारती, चंचल दुर्गापाल, मधु बिष्ट, शशांक बिष्ट सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

गंगोत्री हाईवे पर गणेशपुर से स्याबा तक पहाड़ी से गिर रह हैं पत्थर

उत्तरकाशी(आरएनएस)। भटवाड़ी विकासखंड के विभिन्न गांवों के जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने गंगोत्री हाईवे पर गणेशपुर से स्याबा तक पहाड़ी से गिर रहे पत्थरों से सुरक्षा की मांग की है। उनका कहना है कि गणेशपुर के नेडा नामे तोक की पहाड़ी सहित लालढांग से स्याबा पुल तक साफ मौसम में भी कई बार पत्थर गिरने के कारण बड़े हादसों का खतरा बना हुआ है।

तीन दिन पूर्व भी गणेशपुर के समीप पत्थर गिरने से एक युवक की मौत हो गई थी। भटवाड़ी विकासखंड के विभिन्न गांवों के जनप्रतिनिधियों ने पूर्व विधायक विजयपाल सजवाण के नेतृत्व में डीएम से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि गंगोत्री हाईवे पर पहाड़ी और चट्टानों से झूलते बोल्डर और गिरते पत्थर लगातार खतरा बन रहे हैं। तीन दिन पूर्व गणेशपुर के समीप वनाग्नि के कारण गिरे पत्थर की चपेट में आने से लाटा निवासी युवक की मौत हो गई थी। स्थानीय लोगों ने कहा कि वहां पर साफ मौसम और बिना वनाग्नि के भी कई बार पत्थर गिरने के कारण लोग चोटिल हो गए हैं। साथ ही लालढांग से स्याबा पुल तक करीब दो किमी के क्षेत्र में भी पहाड़ी से लगातार पत्थर गिरने का भय बना रहता है। साथ ही बरसात में इन स्थानों पर बोल्डर आने के कारण कई दिनों तक हाईवे पर आवाजाही बंद हो जाती है। इसलिए उन्होंने जिलाधिकारी से वार्ता कर मांग की है कि इस संबंध में बीआरओ को निर्देशित कर जल्द ही सुरक्षात्मक कार्य करवाए जाए।

पूर्व विधायक विजयपाल सजवाण ने कहा कि मार्ग पर वनाग्नि की घटनाओं एवं पर्याप्त सुरक्षात्मक व्यवस्थाओं के अभाव के कारण क्षेत्रीय लोगों में रोष है। इस मौके पर ज्येष्ठ उपप्रमुख मीरा, रमेश नेगी, राकेश सेमवाल, उत्तम कुमार, आकाश नेगी, कुशाल राणा, योगेश डंगवाल, कमलेश कुमार, प्रेमकांत सेमवाल, सुदेश रावत आदि मौजूद रहे।

प्रतापनगर में पांच करोड़ से बनेगा माली प्रशिक्षण केंद्र

नई टिहरी(आरएनएस)। प्रतापनगर में माली प्रशिक्षण केंद्र तैयार होने के बाद टिहरी के साथ अन्य जिलों के काश्तकारों को इसका लाभ मिलेगा।

प्रशिक्षण केंद्र से काश्तकारों को उन्नत किस्म के पौधों के साथ ही बीज उपलब्ध कराए जाएंगे। करीब पांच करोड़ की लागत से बनने वाले प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। इसमें तहत कार्यालय कक्ष, माली, हॉस्टल, सभागार के साथ फल और फूल के पौधों को तैयार करने के लिए नर्सरी बनाई जाएगी।

प्रशिक्षण केंद्र में उन्नत किस्म के फल, सब्जी, फूलों के उत्पादन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। काश्तकारों को पहाड़ में होनी वाले मुख्य फल अखरोट, सेब, खुमानी, पुलम, कीवी, सब्जी, फूल और नगदी फसलों के उत्पादन, रोगों और कीटों से बचाने के साथ रसायनों का सही उपयोग का प्रशिक्षण और जानकारी दी जाएगी। नर्सरी में उन्नत किस्म के फलों के पौधे तैयार करने के साथ बीजों प्रवर्धन किया जाएगा। माली प्रशिक्षण शुरू होने से युवाओं के लिए नर्सरी और बागवानी के क्षेत्र में स्वरोजगार का मौका मिलेगा।

गत वर्ष अक्तूबर में वानिकी महाविद्यालय रानीचौरी में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के सम्मेलन के दौरान राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने प्रतापनगर में माली प्रशिक्षण केंद्र का शिलान्यास किया था।

इस बाबत वानिकी महाविद्यालय रानीचौरी के अधिष्ठता डॉ. टीएस मेहरा ने कहा कि प्रतापनगर में बनने वाले माली प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण का कार्य पेयजल निर्माण की ओर से किया जा रहा है। प्रशिक्षण केंद्र का टिहरी के साथ अन्य जिलों के काश्तकारों को लाभ मिलेगा। प्रशिक्षण केंद्र में काश्तकारों को विशेषकर पहाड़ी क्षेत्रों में होने वाली बागवानी का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

आयुर्वेद में बताए गए हैं केला खाने के सही नियम

केला सदाबहार फल है और लोग इसे शौक से खाते हैं। लेकिन जिस तरह कई फूड कॉम्बिनेशन शरीर के लिए गलत होते हैं, ठीक उसी तरह केले के साथ भी कुछ चीजों का सेवन आयुर्वेद में सेहत के लिए बुरा बताया गया है। आयुर्वेद में काफी विस्तार से इस बारे में बात की गई है कि केले के साथ और इसे खाने के तुरंत बाद किन चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए।

केले खाने के बाद पानी पीने के खतरे

आयुर्वेद में कोई भी फल खाने के बाद पानी पीने की मनाही की जाती है और यही बात केले पर भी लागू होती है। दरअसल केला तासीर में भारी होता है और इसे खाने के बाद इसके पाचन में काफी समय लगता है। अगर आप इसे खाने के तुरंत बाद पानी पिएंगे तो आपको अपच, गैस, अपच,एसिडिटी और यहां तक कि कब्ज की भी दिक्कत हो सकती है। पानी ही नहीं केला खाने के एक घंटे बाद किसी भी तरह का लिक्विड नहीं पीना चाहिए।

कफ आता है तो नुकसान करेगा बनाना शेक

आयुर्वेद कहता है कि जिन लोगों को कफ दोष होता है उनको दूध के साथ केले का सेवन नहीं करना चाहिए। बनाना शेक भी इसी में आता है क्योंकि इसमें दूध और केला मिलाते हैं। अगर आपको कफ दोष है तो आप केले के साथ किसी भी तरह का डेयरी प्रोडक्ट ना ले। इससे आपका डाइजेशन बिगड़ सकता है। आयुर्वेद में केले और दूध का सेवन करने से त्वचा संबंधी एलर्जी के उभरने की भी बात की गई है।

रात में केला खाने से बचिए

केला सेहतमंद फल है लेकिन इसके भारीपन के चलते इसे रात में नहीं खाने की सलाह दी जाती है। इसकी ठंडी तासीर भी आपको खांसी, बलगम और छाती में जकड़न कर सकती है। रात में केला खाने पर इसके पचने में दिक्कत होगी जिससे नींद भी इफेक्ट हो सकती है।

प्रेगनेंसी में हाई हील्स पहनना हो सकता है खतरनाक !

खूबसूरत दिखने के लिए महिलाएं हाई हील्स पहनना पसंद करती हैं। कुछ महिलाएं तो प्रेग्नेंसी में भी हाई हील्स पहन लेती हैं। यह बेहद खतरनाक होता है। महिलाओं को ऐसा करने से बचना चाहिए। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, हील्स सैंडल्स या शूज प्रेग्नेंसी को काफी मुश्किल बना सकते हैं। इसके पीछे कई साइंटिफिक कारण भी है। आइए जानते हैं प्रेग्नेंसी में हील्स पहनने से क्यों मना किया जाता है।।।

प्रेग्नेंसी में हील्स पहनने से क्या-क्या नुकसान हैं

पीठ दर्द की समस्या

हाई हील्स पहनकर चलने से पोश्चर गड़बड़ हो जाता है। ज्यादा देर तक इसे पहनने से पैल्विक मांसपेशियां झुक जाती हैं। इसकी वजह से पीठ भी झुकी सी रहती है। अब चूंकि प्रेग्नेंसी में बॉडी वेट काफी तेजी से बढ़ता है, ऐसे में पोश्चर पर ज्यादा असर पड़ता है और पीठ में दर्द की समस्या शुरू हो सकती है। गर्भावस्था में हाई हील्स पहनने से पीठ के निचले हिस्से और पैरों के लिगामेंट में भी समस्याएं आ सकती हैं।

पैरों में ऐंठन की प्रॉब्लम

ज्यादा देर तक हाई हील्स पहने रहने से पैरों की मांसपेशियां सिकुड़ जाती हैं और मांसपेशियों में ऐंठन शुरू होने लगती है। प्रेग्नेंसी के दौरान यह समस्या और भी ज्यादा बढ़ सकती है।

पैरों का बैलेंस खराब हो सकता है

प्रेग्नेंसी में ज्यादा वजन बढ़ने की वजह से कई तरह के हार्मोनल बदलाव भी होते हैं। इस वजह से टखने कमजोर हो जाते हैं और बैलेंस करने में दिक्कत आती है। हील्स पहनने से यह समस्या बढ़ सकती है और खड़े-खड़े गिरने का खतरा भी बढ़ सकता है, जो मां और बच्चे दोनों के लिए खतरनाक हो सकता है।

पैरों में सूजन की परेशानी

जब कोई महिला प्रेग्नेंट होती है, तब उसके पैरों, टखनों और पैरों में सूजन काफी सामान्य होता है। कंफर्टेबल जूते और चप्पल न पहनने की वजह से ऐसा ज्यादातर होता है। टाइट जूते और हील्स बनने से यह समस्या और भी बढ़ती है।

गर्भपात का खतरा

हाई हील्स पहनना और लंबे समय तक पहनकर रखना प्रेग्नेंसी में खतरनाक हो सकता है।इसकी वजह से गर्भवती महिलाओं में अबॉर्शन का रिस्क काफी बढ़ जाता है। इसलिए प्रेग्नेंसी में महिलाओं को हाई हील्स पहनने से बचना चाहिए।

लुप्तप्राय फूलदेई परंपरा को पिछले एक दशक से संजो रहा श्री काशी विश्वनाथ मंदिर का अठुड महोत्सव

देहरादून (कासं)। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में लुप्तप्राय होती जा रही लोकपर्व फूलदेई की परंपरा को पुनर्जीवित करते हुए गत एक दशक से 8 दिवसीय अठुड पर्व बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। इसी क्रम में इस वर्ष भी बाबा विश्वनाथ जी की सद्प्रेरणा तथा महंत श्री अजय पुरी जी के मार्गदर्शन में दिनांक 15 मार्च से 22 मार्च 2026 तक मंदिर परिसर में फूलदेई (फूलों का महोत्सव) का आयोजन किया जाएगा।

यह महोत्सव उत्तराखंड की समृद्ध लोकसंस्कृति और युवा पीढ़ी के सहभाग का एक सुंदर संगम है। इस अवसर पर श्री काशी विश्वनाथ गुरुकुलम के विद्यार्थी पारंपरिक विधि-विधान के साथ लगातार आठ दिनों तक फ्योंली एवं अन्य स्थानीय पुष्पों को घरों की देहरी तथा बाबा विश्वनाथ जी के श्रीचरणों में अर्पित करेंगे और समस्त जनमानस की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना करेंगे।

महोत्सव के दौरान सभी प्रतिभागी अपनी पारंपरिक वेशभूषा में मंदिर परिसर में एकत्रित होकर फूलदेई के पारंपरिक गीतों का सामूहिक गायन करेंगे तथा लोक परंपराओं के अनुरूप इस पर्व को भक्ति और उल्लास के साथ मनाएंगे।

इस वर्ष इस सांस्कृतिक धरोहर को निरंतर बनाए रखने के उद्देश्य से लगभग 30 विद्यार्थियों द्वारा स्वैच्छिक पंजीकरण कर इस आयोजन में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की गई है। यह आयोजन न केवल हमारी लोकपरंपराओं के संरक्षण और संवर्धन का माध्यम है, बल्कि युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति, प्रकृति और सामाजिक मूल्यों से जोड़ने का भी एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

गुरु रविदास के 649वें प्रकाश पर्व पर निकाली जाएगी दमड़ी शोभा यात्रा

संवाददाता

हरिद्वार। संत शिरोमणि गुरू रविदास के 649वें प्रकाश पर्व पर दमडी शोभा यात्रा निकाली जाएगी।

संत शिरोमणि गुरु रविदास के 649वें प्रकाश उत्सव को लेकर हरिद्वार में तैयारियां शुरू हो गई हैं। निर्मला छावनी स्थित भगवान रविदास आश्रम में कार्यक्रम की रूपरेखा को लेकर सेवादारों और पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए विस्तृत रणनीति तैयार की गई। बैठक में बताया गया कि चार अप्रैल को निर्मला छावनी स्थित भगवान रविदास आश्रम से हरकी पैड़ी तक भव्य दमड़ी शोभा यात्रा निकाली जाएगी। शोभा यात्रा में लाखों की संख्या में सेवादार और श्रद्धालु शामिल होंगे। इस दौरान संत गुरु रविदास के संदेशों का प्रचार प्रसार किया जाएगा और भक्ति गीतों के साथ श्रद्धालु शहर में शोभायात्रा के रूप में आगे बढ़ेंगे। आश्रम के प्रबंधक राजकुमार डोगर ने जानकारी दी कि पंजाब के जालंधर रेलवे स्टेशन से दो विशेष ट्रेनें भरकर श्रद्धालु हरिद्वार पहुंचेंगे, जिनके स्वागत और ठहरने की व्यवस्था आश्रम की ओर से की जा रही है। बताया कि पांच अप्रैल को भगवान रविदास आश्रम में श्री अखंड साहिब पाठ का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही श्रद्धालुओं के लिए कथा कीर्तन और विशाल लंगर की व्यवस्था भी की जाएगी, ताकि दूर-दराज से आने वाले भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि प्रकाश उत्सव को भव्य बनाने के लिए सभी सेवादार पूरी निष्ठा से तैयारियों में जुटे हुए हैं। सेवादार संजय चोपड़ा ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास ने समाज को समानता, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया। उनके सम्मान में हरिद्वार में गंगा घाट और एक पार्क का निर्माण किया जाना चाहिए, जिससे आने वाली पीढ़ियां भी उनके महान विचारों से प्रेरणा ले सकें। उन्होंने कहा कि प्रकाश उत्सव के माध्यम से संत गुरु रविदास के आदर्शों को समाज तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

शब्द सामर्थ्य 068

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

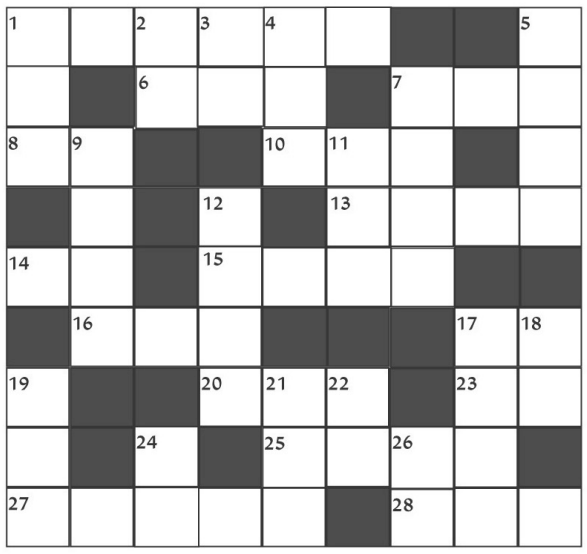

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 67 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

रिलीज हुआ एसके26 का पोस्टर, सेयोन होगा फिल्म का नाम, कमल हासन करेंगे प्रेजेंट

यूनिवर्सल हीरो कमल हासन ने टैलेंटेड एक्टर शिवकार्तिकेयन के साथ नए प्रोजेक्ट की घोषणा की। इस प्रोजेक्ट को एसके26 नाम दिया गया था और प्री-लुक ने लोगों की दिलचस्पी जगाई। लेटेस्ट जानकारी के मुताबिक, मेकर्स ने कुछ मिनट पहले फिल्म का टाइटल और शिवकार्तिकेयन का दमदार फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज़ किया है।

फिल्म का तमिल में नाम सेयोन है और इसका मतलब है सूरज। पोस्टर में देखा जा सकता है कि शिवकार्तिकेयन अपने हाथ में एक हथियार लिए बैठे हैं। उनके आस-पास कई मोर हैं। अभिनेता लुंगी और बनियान पहने ट्रेडिशनल लुक में नजर आ रहे हैं। मेकर्स ने पोस्टर शेयर करते हुए लिखा है वीरता और विजय है सेयोन।

खास बात यह है कि सेयोन का मतलब तमिल भगवान मुरुगा से है, जिनका वाहन मोर है। फिल्म की कहानी और बाकी कलाकारों के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है। संतोष नारायणन के म्यूजिक के साथ अपकमिंग फिल्म की सिनेमैटोग्राफी विवेक विजयकुमार कर रहे हैं। एडिटिंग सन लोकेश कर रहे हैं।

शिवकुमार मुरुगेसन के निर्देशन में बन रही इस अपकमिंग फिल्म को कमल हासन अपने राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल प्रोडक्शन बैनर के तहत प्रोड्यूस कर रहे हैं। कमल हासन ने 2024 की हिट फिल्म अमरन में शिवकार्तिकेयन के साथ काम किया था। सेयोन में दोनों एक बार फिर साथ आए हैं।

अफवाहें हैं कि यह फिल्म गॉड ऑफ़ वॉर किताब पर आधारित है और भगवान कुमारस्वामी की कहानी बताती है। कमल हासन, आर महेंद्रन के साथ मिलकर, टर्मरिक मेडिक्यूलेशन के साथ मिलकर फिल्म को प्रोड्यूस करेंगे। इस फिल्म को शिवकुमार मुरुगेसन डायरेक्ट करेंगे, जिन्होंने राधिका सरथकुमार स्टारर थाई किझावी को डायरेक्ट किया था।

स्ट्राइप ड्रेस में निमरत कौर का स्टाइलिश लुक

अभिनेत्री निमरत कौर ने अपना लेटेस्ट लुक इंस्टाग्राम पर शेयर किया हैं। इस नए लुक में निमरत कौर स्ट्राइप वन पी ड्रेस में बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। निमरत कौर ने सिजलिंग लुक में कई शानदार पोज दिए। निमरत का यह लुक उनके फैंस को बेहद पसंद आ रहा हैं। इस लुक के साथ निमरत ने कैप्शन में लिखा स्ट्राइप पोज।

निमरत कौर (जन्म 13 मार्च 1982) एक प्रसिद्ध भारतीय अभिनेत्री हैं, जो विशेष रूप से द लंचबॉक्स और एयरलिफ्ट जैसी फिल्मों के लिए जानी जाती हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने प्रिंट मॉडल के रूप में करियर शुरू किया और फिर थिएटर के माध्यम से बॉलीवुड में पहचान बनाई। हाल ही में, वह अभिषेक बच्चन के साथ डेटिंग की अफवाहों के कारण सुर्खियों में थीं, जिन्हें खारिज किया गया है।

कल्याणी प्रियदर्शन ने लोका चैप्टर 2 पर कही ये बात, जानकर झूम उठेंगे फैंस

साउथ अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन की चर्चित फिल्म लोका चैप्टर 1- चंद्रा की अपार सफलता के बाद फैंस इसके सीक्वल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ऐसा इसलिए भी क्योंकि फिल्म के क्लाइमैक्स में दुलकर सलमान के कैमियो ने एक बड़ा सस्पेंस छोड़ा था जिसके बारे में जानने के लिए लोग उतावले हो रखे हैं। सलमान के प्रोडक्शन हाउस, वेफरर फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म के सीक्वल पर अब खुद कल्याणी ने बड़ा अपडेट साझा किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, कल्याणी ने लोका चैप्टर 2 पर एक अहम अपडेट साझा करते हुए पुष्टि की है कि उनका किरदार सीक्वल में वापसी करेगा। नक्षत्र, 2026 कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा, लोका चैप्टर 2 की कहानी शुरू हो चुकी है। हम सितंबर, 2026 तक शूटिंग शुरू करने की योजना बना रहे हैं। और हां, मैं चैप्टर 2 में जरूर मौजूद रहूंगी। अभिनेत्री के बयान ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है।

डोमिनिक अरुण द्वारा निर्देशित लोका चैप्टर 1-चंद्रा ओणम, 2025 की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है। फिल्म की कहानी पौराणिक कथाओं से प्रेरित महिला सशक्तिकरण और सामाजिक बंधनों के खिलाफ एक लड़की नीली (कल्याणी) की आंतरिक लड़ाई पर आधारित है। नस्लेन, सैंडी और चंदू सलीम कुमार भी फिल्म का प्रमुख हिस्सा हैं और ममूटी ने छोटा सा कैमियो किया है। फैंस जानना चाहते हैं कि लोका चैप्टर 2 में ममूटी और सलमान के किरदार को कैसे आगे बढ़ाया जाएगा।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

एस के जी एंटरटेनमेंट और बेंचमार्क स्टोरीटेलर्स की अगली भव्य फ़ीचर फ़िल्म में अनूपमा परमेश्वरन

एस के जी एंटरटेनमेंट और बेंचमार्क स्टोरीटेलर्स ने अपनी आगामी फ़ीचर फ़िल्म की आधिकारिक घोषणा कर दी है, जिसमें पैन-साउथ की लोकप्रिय अभिनेत्री अनूपमा परमेश्वरन मुख्य भूमिका में नज़र आएंगी। यह एक सघन मनोवैज्ञानिक थ्रिलर होगी, जिसका निर्देशन शान करेंगे और निर्माण शिविन नरंग, प्रेरणा अरोड़ा और किरण बल्लापल्ली द्वारा एक अग्रणी स्टूडियो के सहयोग से किया जाएगा। यह फ़िल्म निर्देशक शान के साथ अनूपमा परमेश्वरन की बड़े पर्दे पर वापसी का प्रतीक है। इससे पहले दोनों की लघु फ़िल्म को जबरदस्त सराहना मिली थी। डिजिटल मंच पर मिली उस सफलता के बाद अब यह सहयोग एक पूर्ण रूप से सिनेमाई अनुभव में परिवर्तित हो रहा है, जिसमें व्यापक पैमाना, गहराई और प्रभाव देखने को मिलेगा। फ़िल्म की शूटिंग मई 2026 से शुरू होने वाली है, जबकि शीर्षक की घोषणा बाद में की जाएगी। इस परियोजना की घोषणा अनूपमा परमेश्वरन के जन्मदिन के अवसर पर की गई, जिससे यह पल और भी विशेष बन गया। निर्माताओं ने अभिनेत्री को शुभकामनाएँ देते हुए एक भावनात्मक और सशक्त सिनेमाई यात्रा की झलक भी पेश की।

इस सहयोग पर अपनी बात रखते हुए निर्माता प्रेरणा अरोड़ा ने कहा,इस फ़िल्म में अनूपमा परमेश्वरन के साथ काम करना मेरे लिए बेहद खास है। उनमें सहज आत्मविश्वास, भावनात्मक सच्चाई और पात्रों को गहराई से समझने की दुर्लभ क्षमता है, जो विभिन्न क्षेत्रों के दर्शकों से सीधे जुड़ती है। अलग-अलग भाषाओं में दर्शकों के साथ उनका स्वाभाविक जुड़ाव मैंने हमेशा सराहा है। यह परियोजना उनके अभिनय की ताक़त को नए स्तर पर प्रस्तुत करने का एक आदर्श मंच है। उन्हें इस फ़िल्म का नेतृत्व करते हुए देखकर मैं सचमुच उत्साहित हूँ और इस रचनात्मक यात्रा की शुरुआत का बेसब्री से इंतज़ार कर रही हूँ।

एस के जी एंटरटेनमेंट ने हाल ही में जटाधारा रिलीज़ की है, जिससे उसके विविध और मज़बूत प्रोडक्शन स्लेट को और मजबूती मिली है। राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित निर्माता प्रेरणा अरोड़ा इससे पहले रुस्तम, टॉयलेट-एक प्रेम कथा, पैड मैन और परी जैसी चर्चित फ़िल्मों का निर्माण कर चुकी हैं और निरंतर कंटेंट-प्रधान तथा दर्शक-केंद्रित सिनेमा का समर्थन करती रही हैं।

अनूपमा परमेश्वरन आज दक्षिण भारतीय सिनेमा की सबसे पसंदीदा और मांग में रहने वाली अभिनेत्रियों में शामिल हैं। प्रेमम, कार्तिकेय 2, डीजे टिल्लू और राक्षसुडु जैसी फ़िल्मों में उनके अभिनय को व्यापक सराहना मिली है। वे तेलुगु, तमिल और मलयालम सिनेमा में लगातार दर्शकों का दिल जीतती आ रही हैं और पैन-इंडियन पहचान बनाए हुए हैं।

मजबूत शैली, अनुभवी रचनात्मक टीम और केंद्रीय भूमिका में प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ, अनूपमा परमेश्वरन और प्रेरणा अरोड़ा का यह सहयोग दर्शकों के लिए एक यादगार और रोमांचक सिनेमाई अनुभव लेकर आने के लिए तैयार है।

शिवांगी ने पर्दे पर निभाया विधवा का चुनौतीपूर्ण किरदार

टीवी से लेकर फिल्मों तक अपनी अलग पहचान बना चुकी अभिनेत्री शिवांगी वर्मा वेब सीरीज हसरतें सीजन 3 में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने के साथ खास बातचीत में सीरीज में अपने किरदार को लेकर बातें कीं। अभिनेत्री ने कहा, यह सीरीज बहुत पॉपुलर है। मैं हमेशा से ही इसकी फैन रही हूं और मुझे सीजन 3 में काम करने का मौका मिला।

इसके लिए मैं मेकर्स की बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मुझे चुना और काबिल समझा। अभिनेत्री के एपिसोड का नाम मिडनाइट ब्राइड है। इसमें शिवांगी ने एक विधवा का किरदार निभाया है। उन्होंने बताया कि यह रोल उनके असली व्यक्तित्व से बिल्कुल अलग है। उन्होंने कहा, असल जिंदगी में मैं काफी मॉडर्न और फैशनेबल हूं, लेकिन मेरा किरदार एक विधवा का है।

समाज में विधवाओं को मेकअप न करने, रंग-बिरंगे कपड़े न पहनने और साधारण रहने की उम्मीद की जाती है। इस रोल को निभाते हुए मुझे पता चला कि सादगी में भी सुंदरता होती है और मैंने सोचा था कि अगर मेकर्स ने मुझे चुना है, तो इसमें अपना बेस्ट दूंगी। हालांकि, शूटिंग खत्म होने के बाद मुझे हर तरफ से खूब सराहना मिली थी।

शिवांगी अपने काम को लेकर काफी गंभीर रहती हैं। वे हमेशा अच्छी स्टोरीलाइन पर ध्यान देती हैं। उन्होंने बताया कि अगर कहानी इमोशनल है, तो वे और सारी चीजें भूल जाती हैं। उन्होंने कहा, अगर स्टोरी अच्छी है और एक्टर के तौर पर मुझे मौका मिल रहा है, तो मैं पूरा जोर लगाकर अच्छा परफॉर्म करती हूं।

मैं महिला केंद्रित किरदारों को करने के लिए हमेशा तैयार हूं, क्योंकि ऐसे किरदारों में महिलाओं के अलग-अलग रूप दिखते हैं और काम करने में बहुत मजा आता है। उन्होंने बताया, मुझे रोमांटिक थ्रिलर करने की बहुत इच्छा है। अगर कोई अच्छी रोमांटिक थ्रिलर स्टोरी आए या फिर कोई बायोपिक, तो जरूर करना चाहूंगी।

दीर्घकाल तक टिकाऊ होंगी वार्डों में बनने वाली सड़कें : मेयर

कोटद्वार(आरएनएस)। नगर निगम के विभिन्न वार्डों में सड़कों के विकास, नालों व पुलियों की हालत में सुधार, स्ट्रीट लाइट की सुदृढ़ व्यवस्था के लिए मेयर ने वार्डों का निरीक्षण किया।

उन्होंने पार्षदों को जनभावनाओं के अनुरूप विकास कार्यों को सूचीबद्ध करने के लिए कहा। निरीक्षण के दौरान मेयर शैलेंद्र सिंह रावत ने कहा कि नगर निगम प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि बनने वाली सड़कों को उच्च गुणवत्ता के साथ दीर्घकाल तक टिकाऊ रूप दिया जाए। कहा क्षेत्र में करीब 5० किलोमीटर सड़कों के निर्माण के कार्य प्रस्तावित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही नगर क्षेत्र की दूषित पानी की निकासी के लिए भी सार्थक कदम उठाए जाएंगे। इसी के तहत स्टेशन रोड, गोविंद नगर, काशीरामपुर मल्ला एवं कौड़िया वार्ड में प्रस्तावित सड़कों का स्थलीय निरीक्षण किया गया है।

क्षेत्रवासियों ने मेयर के समक्ष खाली प्लॉट में कूड़ा डाले जाने, गंदे पानी की निकासी अवरुद्ध होने, क्षेत्र में कई जगह पथप्रकाश व्यवस्था निष्प्रभावी होने की समस्या रखी। मेयर ने सभी समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया। इस दौरान नगर आयुक्त पीएल शाह, पार्षद जयदीप नौटियाल, पार्षद सुभाष पांडे, कनिष्ठ अभियंता कृष्णपाल, कनिष्ठ अभियंता दिनेश चौहान उपस्थित रहे।

ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचेगी मोबाइल हेल्थ वैन, दस प्रकार के टेस्ट व दवाइयां भी मिलेंगी

पौड़ी(आरएनएस)। जनपद के दूरस्थ विकासखंडों में जल्द ही मोबाइल वैन के माध्यम से ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य विभाग ने पूर्व में पीपीपी मोड पर संचालित चार मोबाइल हेल्थ वैन को अधिगृहीत किया है।स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक इन हेल्थ वैनों को कोट, कल्जीखाल, पाबौ, थलीसैंण, नैनीडांडा, बीरोंखाल, दुगड्डा व डाडामंडी क्षेत्रों में संचालित किया जाएगा। विभाग ने रूट तय करते हुए हेल्थ वाहनों को अपडेट करवा लिया है। सीएमओ डॉ. शिव मोहन शुक्ला ने बताया कि पूर्व में पीपीपी मोड के जिला अस्पताल, घंडियाल, पाबौ व बीरोंखाल से चार हेल्थ वैन प्राप्त कर ली हैं। जिला अस्पताल वाली वैन को पौड़ी, जयहरीखाल, रिखणीखाल व यमकेश्वर के दूरस्थ क्षेत्रों में संचालित किया जाएगा। इस प्रकार से ब्लॉक वार वैन का रूट तय कर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। बताया कि बीते पांच मार्च से वैन की सेवा शुरू कर दी गई है। वैन में हेंडहेल्ड एक्सरे के साथ ही जरूरी दवाएं और रक्त व पेशाब जांच समेत दस प्रकार के टेस्ट भी किए जाएंगे। साथ ही तकनीशियन और चिकित्साधिकारियों को भी नामित किया गया है। बताया कि अन्य विकासखंडों में भी रोस्टरवार हेल्थ वैन संचालित होंगी।

सू- दोकू क्र.068

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.67 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

बॉन्डधारी 13० डॉक्टर बेरोजगार, राज्य में वैकेंसी न होने से स्वास्थ्य विभाग परेशान

हल्द्वानी(आरएनएस)। उत्तराखंड में बॉन्डधारी एमबीबीएस पास डॉक्टरों की नियुक्ति को लेकर स्वास्थ्य विभाग मुश्किल में फंस गया है। श्रीनगर मेडिकल कॉलेज ने 28 फरवरी को बॉन्डधारी डॉक्टरों की सूची महानिदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य सेवाओं को भेज दी है, जिसमें करीब 13० डॉक्टर शामिल हैं। लेकिन राज्य में इनकी नियुक्ति के लिए पर्याप्त वैकेंसी उपलब्ध नहीं होने से विभाग को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती इन डॉक्टरों को तैनाती देने की है, क्योंकि बॉन्ड के नियमों के अनुसार उन्हें तीन साल तक पर्वतीय क्षेत्रों के सरकारी अस्पतालों में अनिवार्य सेवा देनी होती है। उत्तराखंड के कुछ सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सब्सिडाइज्ड फीस पर एमबीबीएस करने वाले छात्रों को पढ़ाई पूरी करने के बाद पर्वतीय क्षेत्रों में सेवा देने का बॉन्ड भरना पड़ता है। यदि वे सेवा नहीं देते हैं तो उन्हें भारी जुर्माना (करोड़ों रुपये) भरना पड़ता है। हालांकि अब स्थिति उलटी है डॉक्टर सेवा देने को तैयार हैं, पर विभाग के पास पद ही नहीं हैं।

बर्खास्त डॉक्टरों की जगह मिलने की उम्मीदमेडिकल कॉलेजों से पास हुए बॉन्डधारी डॉक्टरों को पहले स्वास्थ्य विभाग ने राज्य के विभिन्न जिलों के सरकारी अस्पतालों में तैनाती दी थी, लेकिन इनमें से कई डॉक्टर वर्षों तक तैनाती स्थल से गायब रहे। इसके बाद सरकार ने पिछले साल जुलाई में 234 बॉन्डधारी डॉक्टरों को बर्खास्त कर दिया था। हालांकि बर्खास्तगी की प्रक्रिया अभी किस चरण में है, इसकी स्पष्ट जानकारी अधिकारियों के पास भी नहीं है। माना जा रहा है कि इन बर्खास्त डॉक्टरों के पदों पर श्रीनगर मेडिकल कॉलेज के नए बॉन्डधारी डॉक्टरों को नियुक्ति दी जा सकती है।स्वास्थ्य नीति पर उठ रहे सवालडॉक्टरों की वैकेंसी को लेकर राज्य सरकार की स्वास्थ्य नीति पर भी सवाल उठने लगे हैं। स्वास्थ्य विभाग से जुड़े जानकारों का कहना है कि विभाग में नए पद सृजित नहीं होने के कारण कई एमडी और एम्स से पढ़े डॉक्टरों को भी नियुक्ति नहीं मिल पा रही है। ऐसे में एमबीबीएस डॉक्टरों के लिए भी पदों की कमी के बावजूद नए मेडिकल कॉलेज खोलने की सरकारी योजना पर सवाल खड़े हो रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार को लखनऊ और चंडीगढ़ की तर्ज पर पीजी मेडिकल कॉलेज खोलने पर भी ध्यान देना चाहिए, जिससे राज्य को विशेषज्ञ डॉक्टर मिल सकें और मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध हो सके।

लैंड फ्रॉड मामलों में फरियादियों को दौड़ाने वाले सस्पेंड होंगे

हल्द्वानी(आरएनएस)। कुमाऊं के लापरवाह पुलिस अधिकारियों को आईजी कुमाऊं रिद्धिम अग्रवाल ने सख्त हिदायत दी है। उन्होंने कहा है कि लैंड फ्रॉड से जुड़े मामलों में फरियादियों की सुनवाई नहीं करने वाले पुलिस अधिकारी सीधे सस्पेंड होंगे। अक्सर ऐसे मामले आते हैं जहां जमीन से जुड़े मामलों में पुलिस फरियादियों को भटकाती है। पीड़ित दर-दर की ठोकरें खाते हैं। नैनीताल, हल्द्वानी, भवाली के ऐसे ही कुछ मामले बीते दिनों आईजी दफ्तर पहुंचे। इस पर सख्त एक्शन लेते हुए आईजी ने न सिर्फ आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कराया बल्कि लैंड फ्रॉड मामले की शीघ्र विवेचना करने के निर्देश दिए थे। आईजी ने एक मामले में विवेचना में लापरवाही पर भोटिया पड़ाव चौकी प्रभारी को सस्पेंड भी कर दिया था। अब आईजी ने लोगों से भी अपील करते हुए कहा है कि अगर किसी फरियादी की पुलिस सुनवाई नहीं कर रही है या उसे थाना-चौकियों के चक्कर कटवा रही है तो तत्काल मेरे पास आएं और अपनी शिकायत दर्ज कराएं। आईजी ने आश्वस्त किया है कि वह प्राथमिकता से केस का निस्तारण करेंगी। साथ ही पुलिस के उस जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी पर तत्काल कार्रवाई होगी जो पीड़ितों को दौड़ा रहा है।

पर्यावरण मित्रों का धरना, 12 मार्च से सफाई कार्य बंद करने की चेतावनी

अल्मोड़ा(आरएनएस)। नगर निगम के पर्यावरण मित्रों ने देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ के बैनर तले नगर निगम कार्यालय में धरना प्रदर्शन कर मेयर और नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों ने एक व्यक्ति पर सोशल मीडिया के माध्यम से नगर निगम और सफाई कर्मचारियों की छवि धूमिल करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि उचित कार्रवाई नहीं हुई तो 12 मार्च से सफाई कार्य बंद कर उग्र आंदोलन किया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि जोहरी बाजार निवासी एक व्यक्ति द्वारा लगातार कूड़े के मुद्दे को लेकर सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर सफाई कर्मचारियों और नगर निगम की छवि खराब करने का प्रयास किया जा रहा है। कर्मचारियों का कहना था कि बाजार क्षेत्र में नियमित रूप से सफाई की जाती है और प्रतिदिन सुबह आठ से नौ बजे के बीच कूड़ा वाहन से हटा दिया जाता है। इसके बावजूद कर्मचारियों पर आरोप लगाए जा रहे हैं, जिससे उनमें आक्रोश है। कर्मचारियों ने यह भी आरोप लगाया कि संबंधित व्यक्ति द्वारा पहले भी कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार किया गया है और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर उनका अपमान किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों से कर्मचारियों के स्वाभिमान को ठेस पहुंच रही है और नगर की शांति व्यवस्था भी प्रभावित हो सकती है। कर्मचारियों ने नगर निगम प्रशासन से मामले की जांच कर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उनका कहना है कि यदि कार्रवाई नहीं की गई तो कर्मचारी आंदोलन को तेज करने के लिए मजबूर होंगे। धरना प्रदर्शन में दीपक चंदेल, राकेश टांक, सतीश कुमार, दीपक सैलानी, दर्शन चंदेल, राजेंद्र पवार, भूपेंद्र शक्ति, राजेश खत्री, शाहिद सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

थाना दिवस में लोगों की समस्याएं सुनी

पिथौरागढ़(आरएनएस)। जाजरदेवल में थाना दिवस का आयोजन हुआ। इस दौरान पुलिस ने महिलाओं की समस्याएं सुनकर उसका समाधान किया। साथ ही पुलिस ने महिलाओं को वर्तमान समय में बढ़ रही आपराधिक गतिविधियों के बारे में भी जानकारी दी।

वर्कचार्ज कर्मचारियों का अधीक्षण अभियंता कार्यालय में प्रदर्शन

हल्द्वानी(आरएनएस)। शासन के आदेश के तहत वर्ष 2०23 से पूर्व सेवानिवृत्त नियमित वर्कचार्ज कर्मचारियों की पेंशन पर रोक लगाए जाने से कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। इसके विरोध में लोक निर्माण विभाग के वर्कचार्ज कर्मचारियों ने अधीक्षण अभियंता कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया।

कर्मचारियों ने ट्रेज़री को तत्काल भुगतान के लिए बिल भेजने की मांग की। कर्मचारियों का कहना है कि प्रदेशभर में लोक निर्माण विभाग और सिंचाई विभाग में कार्यरत कई नियमित वर्कचार्ज कर्मचारी तथा सेवानिवृत्त कर्मी शासन की ओर से पूर्व में जारी नई पेंशन नियमावली के कारण पेंशन की परिधि से बाहर हो गए हैं। इससे हजारों कर्मचारियों के भविष्य की आर्थिक सुरक्षा पर संकट खड़ा हो गया है। कर्मचारी संघ के प्रदेश मुख्य संयोजक गिरीश चंद्र जोशी ने बताया कि शासन की ओर से 16 जनवरी 2०26 को जारी शासनादेश में एक अक्तूबर 2००5 के बाद नियमित हुए वर्कचार्ज कर्मचारियों को केवल 1० वर्ष की सेवा पूर्ण होने पर ही पेंशन के दायरे में रखा गया है, जबकि कई कर्मचारी 3० से 4० वर्ष की सेवा देने के बाद सेवानिवृत्त हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि सरकार को पेंशन व्यवस्था में बदलाव करना ही था तो वर्ष 2०18 में ही कैबिनेट की मंजूरी लेकर शासनादेश जारी करना चाहिए था। उन्होंने बताया कि 8 मई 2०23 को उत्तराखंड सरकार ने कैबिनेट में कर्मचारियों को पेंशन से वंचित करने से संबंधित अध्यादेश पारित किया था, जिसे कर्मचारियों के साथ अन्याय बताया जा रहा है। कर्मचारियों ने कहा कि हल्द्वानी और रुद्रपुर सहित कुछ स्थानों पर निर्माण खंड, प्रांतीय खंड और सिंचाई विभाग में भुगतान कर दिया गया है, लेकिन नैनीताल में वर्कचार्ज कर्मचारियों के बिल अब तक ट्रेज़री को नहीं भेजे गए हैं। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द बिल ट्रेज़री को नहीं भेजे गए तो अधिकारियों को घर नहीं जाने दिया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान गिरीश जोशी, दीवान सिंह बिष्ट, धन सिंह लटवाल, बसंत सुनान, मोहन सिंह भंडारी, रामलाल, पूरन सिंह जीना, मोहिनी, किशन सिंह सहित अन्य कर्मचारी रहे।

पूर्व सैनिकों के प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री गणेश जोशी से की मुलाकात

संवाददाता

भराड़ीसैंण (गैरसैंण)। पूर्व सैनिकों के प्रतिनिधिमंडल ने सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी से मुलाकात कर स्वतंत्रता सेनानी स्थल के निर्माण की मांग की।

आज यहां बजट विधानसभा सत्र-2026 के दौरान आज जनपद अल्मोड़ा के विकासखण्ड चौखुटिया से आए जनमानस कल्याण समिति धामदेवल के पदाधिकारियों ने सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी से भराड़ीसैंण (गैरसैंण) में मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों को सैनिक कल्याण मंत्री जोशी के समक्ष रखा। पदाधिकारियों ने सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी से आग्रह किया कि चौखुटिया विकासखण्ड के अंतर्गत ग्राम सभा हाट-झला के मध्य स्थित राजकीय एलोपैथिक चिकित्सालय धामदेवल का नाम वर्ष 1971 के युद्ध के वीर सैनिक मोहन सिंह महारा के नाम पर रखा जाए। इसके साथ ही क्षेत्र में शहीद स्वतंत्रता सेनानी स्थल के निर्माण की भी मांग की गई, ताकि आने वाली पीढ़ियां देश के वीरों के बलिदान से प्रेरणा ले सकें। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए उन्हें सकारात्मक आश्वासन दिया और कहा कि इस संबंध में शीघ्र ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हमेशा से सैनिकों और पूर्व सैनिकों के सम्मान एवं कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व सैनिक रघुवर दत्त, महासचिव प्रताप सहित अन्य पूर्व सैनिक भी उपस्थित रहे।

कार की चपेट में आकर राहगीर की मौत

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट में आने से राहगीर की मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इंद्रप्रस्थ नेहरू कालोनी निवासी अमित चन्द ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पिता बाजार से घर की तरफ आ रहे थे जब वह रिंग रोड पर पहुंचे तभी तेज गति से आ रही कार ने उनको टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गये। जिनको अस्पताल पहुंचाया गया जहां पर चिकित्सकों ने उनको मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दहेज के लिए विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाला

संवाददाता

देहरादून। दहेज के लिए विवाहिता को मारपीट कर घर से निकालने के मामले में पुलिस ने पति सहित पांच लोगों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मियांवाला निवासी सपना उनियाल ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका विवाह सहारनपुर निवासी आशीष शर्मा के साथ हुआ था। विवाह के बाद से ही उसके पति सहित ससुराल वाले उसको दहेज के लिए प्रताडित करने लगे थे। उसके परिवार वालों के कई बार समझाने के बाद भी उनके व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं आया। जब उनकी मांग पूरी नहीं हुई तो उन्होंने उसको मारपीट कर घर से निकाल दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पहाड़ी शहर बनेंगे 'स्मार्ट'..

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

रहा है। इसके पीछे कारण जो भी हो, लेकिन इसे प्रदेश सरकार की नाकामी ही कहा जा सकता है। क्योंकि जिस उददेश्य से राज्य का गठन हुआ था वह कही दिख तो रहा नहीं है और आमजन यह कहने को मजबूर है कि इससे अच्छा तो हम यूपी में ही ठीक थे। वैसे तो सरकार ने अनेक योजनाओं के माध्यम से पहाड़ी जिलों का विकास करना चाहा, लेकिन कोई भी योजना धरातल पर क्यों नहीं उतरती है यह यक्ष प्रश्न है, जो लंबे समय से अनुतरीय है और शायद रहेगा।

पहाड़ का भाग्य पहाड़ जैसा ही है और यहां के लोगों के लिए तो राज्य बनने से पहले और आज भी वैसे का वैसा ही है। वर्तमान विधानसभा सत्र में सरकार ने प्रदेश के शहरों के लिए योजना तैयार कर उसके लिए बजट का प्रावधान किया है। चुनावी साल है और कुछ नया तो करना ही पडेघा। अगर ऐसा नहीं किया तो मतदाता नाराज हो जाएंगे। प्रदेश सरकार ने पर्वतीय शहरों को स्मार्ट सिटी की तर्ज पर विकसित करने का मास्टर स्ट्रोक चल दिया है, जिससे आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने और आधुनिक नगरीय व्यवस्था को विस्तार देने में मदद मिलेगी।

प्रदेश सरकार का फोकस शहरों में सुरक्षित और सुगम आवागमन, बेहतर आधारभूत ढांचे और योजनाब(नगरीय विकास पर है। इसके तहत पैदल मार्ग, आवास और अन्य नगरीय सुविधाओं के विस्तार से नागरिकों को अधिक सुविधाजनक शहरी वातावरण मिलेगा। इसके साथ ही पर्यटन और अन्य आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। प्रदेश सरकार के चुनावी साल में इस मास्टर स्ट्रोक से आमजन क्या सोचती है यह तो आने वाले विधानसभा चुनाव में पता चलेगा, लेकिन यह अवश्य है कि अगर सरकार की यह योजना धरातल पर उतरती है तो इससे कुछ हद तक पलायन पर ब्रेक लग सकता है।

महिला की हत्या का खुलासा, दो गिरफ्तार

❑लिव इन में रहे पार्टनर व उसके दोस्त ने ही किया था मर्डर

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। बीते दिनों रूद्रप्रयाग के एक होटल मे हुई महिला की हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। हत्यारों में एक महिला के साथ लिव इन में रहने वाला पार्टनर है जबकि दूसरा दोस्त बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार बीती 7 मार्च की शाम गैलेक्सी होटल प्रबन्धन व संचालक द्वारा कोतवाली रुद्रप्रयाग पर आकर अवगत कराया गया था कि उनके होटल में रुकी एक महिला जो कि बेहोशी की हालत में है, पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर उक्त महिला जो कि बेहोशी की हालत में थी, को जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग भिजवाया गया। जहां पर डॉक्टरों द्वारा उसे मृत घोषित किया गया। पुलिस ने मामले में हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान प्रारम्भिक तौर पर जानकारी सामने आयी थी कि उक्त महिला अपने पति और उसके दोस्त के साथ इस होटल में 6 मार्च रात को रूके थे। 7 मार्च की सुबह दोनो व्यक्ति यह बताकर निकले थे कि वे थोड़ी देर में आ रहे हैं। परन्तु देर सांयकाल तक उनके वापस न आने पर होटल संचालक को शक होने पर उनके द्वारा पुलिस को सूचित किया गया था। इस सम्बन्ध में प्रथम दृष्टया जानकारी हुई थी कि इस महिला व इसके साथ आये व्यक्ति हरियाणा के निवासी हैं तथा इस सम्बन्ध में पुलिस के स्तर से महिला के परिजनों से सम्पर्क स्थापित कर लिया गया था तथा इस महिला को छोड़कर भागे व्यक्तियों की तलाश हेतु पुलिस टीमें रवाना कर दी गई थीं। 8 मार्च को महिला के परिजनों का रुद्रप्रयाग आने पर उनके द्वारा जिला चिकित्सालय में मृतका की शिनाख्त काजल के रूप में की गयी। परिजनों की उपस्थिति में पुलिस के स्तर से पंचायतनामा व डॉक्टरों के पैनल से मृतका का पोस्टमार्टम कराया गया। वहीं दूसरी ओर आरोपियों की तलाश में लगी पुलिस टीम द्वारा दोनो को पटियाला रोड़, थाना चीका से गिरफ्तार कर रुद्रप्रयाग लाया गया। आरोपी अरुण कुमार ने पूछताछ में बताया कि वह पिछले 4 साल से काजल के साथ लिव-इन पार्टनर के रूप में रह रहा था जिसकी जानकारी दोनों के परिवारों को पूर्व से ही थी। 4 मार्च को वह काजल और अपने दोस्त अक्षय के साथ घूमने के लिए निकला। अम्बाला और हरिद्वार होते हुए वे 6 मार्च को रुद्रप्रयाग पहुंचे और गैलेक्सी होटल में कमरा लेकर ठहरे। अगली सुबह (7 मार्च) काजल और अरुण के बीच झगड़ा और गाली-गलौज हुई। हाथापाई के दौरान अरुण ने काजल के हाथ-पैर पकड़े, जबकि अक्षय ने पहले गला दबाया और फिर काजल की ही चुन्नी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद दोनों आरोपी कमरे को ताला लगाकर भाग गए। यह सम्पूर्ण घटनाक्रम मृतका और आरोपी अरूण कुमार के मध्य हुए आपसी विवाद के कारण हुआ है। वहीं जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि दोनो हत्यारोपी पहले भी चेन लूट में जेल जा चुके है।

ऑटो की चपेट में आकर राहगीर घायल

देहरादून (सं)। ऑटो की चपेट में आकर राहगीर के घायल होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार विस्थापित कालोनी रेशमा मोहन ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह बाजार से घर की तरफ आ रही थी। जब वह घर के पास पहुंची तभी पीछे से आ रहे ऑटों चालक ने तेजी व लापरवाही से ऑटो चलाते हुए उसको टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गयी।

सत्यापन अभियानः 260 मकान मालिकों पर 26 लाख का चालान

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। सत्यापन अभियान के दौरान पुलिस ने बिना सत्यापन किरायेदार रखने के आरोप में 260 मकान मालिकों के खिलाफ चालानी कार्यवाही की है। जिनके 26 लाख रूपये के चालान किये गये है। जानकारी के अनुसार आज सुबह कोतवाली नगर पुलिस द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत बिना सत्यापन क्षेत्र में निवासरत् बाहरी प्रदेशों से आये कर्मचारी / मजदूर / फड़ ठेली वालो के सत्यापन हेतु अलग अलग टीमें बनाकर कोतवाली क्षेत्रान्तर्गत विशेष सत्यापन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत बिना सत्यापन नौकर रखने पर मकान मालिको, होटल, धर्मशाला, आवासीय कालोनियों में काम करने वाले व्यक्तियों का मौके पर ही सत्यापन किया गया। बताया जा रहा है कि करीब 1500 लोगों का सत्यापन किया गया है तथा जिन होटल/ धर्मशाला व अन्य मकान मालिकों द्वारा अभी तक सत्यापन नही कराया गया था उनके विरूद्ध कार्रवाई करते हुए धारा-83 पुलिस एक्ट के अन्तर्गत कार्यवाही करते हुए अभी तक 260 चालान रूपये कुल 26,लाख रूपये के कोर्ट के चालान कर रिपोर्ट न्यायालय प्रेषित की जा रही है।

विजय दिवस पर आप ने हर घर मिठाई वितरण कार्यक्रम किया शुरु

संवाददाता

देहरादून। आम आदमी पार्टी ने स्वर्णिम विजय दिवस पर जन-जागरूकता और संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से आज से "हर घर मिठाई वितरण कार्यक्रम" की शुरुआत की जा रही है।

आज यहां आम आदमी पार्टी के स्वर्णिम विजय दिवस के अवसर पर देहरादून कैंट विधानसभा में जन-जागरूकता और संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से आज से "हर घर मिठाई वितरण कार्यक्रम" की शुरुआत की जा रही है। इस कार्यक्रम के प्रथम चरण में पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं के घर-घर जाकर उन्हें मिठाई वितरित की जाएगी। इस अवसर पर प्रदेश समन्वय समिति के सदस्य, शरद जैन ने कहा कि आम आदमी पार्टी हमेशा से ईमानदार

राजनीति, जनसेवा और आम जनता के अधिकारों की लड़ाई लड़ती आई है। इसी भावना को मजबूत करने और संगठन को और अधिक सक्रिय बनाने के लिए यह अभियान शुरू किया गया है। कार्यक्रम के माध्यम से जनता के साथ संवाद स्थापित किया जाएगा, उनके सुझाव लिए जाएंगे तथा उन्हें आगामी जनआंदोलनों और जनहित के मुद्दों पर मजबूती से काम करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। पार्टी का उद्देश्य है कि हर कार्यकर्ता संगठन की ताकत बने और जनता की आवाज को मजबूती से उठाए। आम आदमी पार्टी का मानना है कि मजबूत संगठन और जागरूक कार्यकर्ता ही जनता की समस्याओं के समाधान का रास्ता खोलते हैं। इसलिए यह अभियान पूरे कैंट विधानसभा क्षेत्र में चरणबद्ध तरीके से चलाया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं को जोड़ा जा सके और जनता के बीच पार्टी की नीतियों व विचारों को पहुंचाया जा सके। इस अवसर पर पार्टी के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अपील की गई है कि वे बढ़-चढ़कर इस अभियान में भाग लें और देहरादून कैंट विधानसभा में आम आदमी पार्टी को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लें। इस अभियान में शरद जैन, सुधा पटवाल, वीर सिंह, विपिन खन्ना, अक्षय शर्मा, कासिम चौधरी, आदि मौजूद रहे।

विधानसभा का बजट सत्रः तीसरा दिन

सड़क से लेकर सदन तक 'घमासान'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। विधानसभा में पांच दिवसीय बजट सत्र का तीसरा दिन है। आज बजट पर चर्चा के साथ ही कईईविधेयक पास होंगे। सत्र के दौरान जहां सदन से लेकर सड़क तक आंदोलन चल रहे हैं। वहीं सदन की कार्यवाही जारी है। विपक्ष के कडेघे तेवर और सवालों से सरकार कटघरे में खड़ी है वही दूसरी ओर कई राजनैतिक दल और सामाजिक संगठनों से जुडेघ लोग कई मुद्दों को लेकर सड़क पर आंदोलन कर रहे है।

प्रश्नकाल में कई मुद्दों को लेकर सदन में हो-हल्ला हुआ। कल भी नियम 58 पर चर्चा के दौरान सदन में खूब हंगामा हुआ। वहीं, सड़कों पर भी विपक्ष ने जमकर प्रदर्शन किया। विधानसभा सत्र कार्यवाही में कांग्रेस ने नियम 310 में भूमिधरी का मुद्दा उठाया। वहीं, हल्द्वानी विस क्षेत्र के विभिन्न मुद्दों को लेकर विधायक सुमित विधानसभा भवन परिसर में धरने पर बैठ गए।

विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही प्रश्नकाल में विधायकों ने कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या से उनके विभागों से संबंधित सवाल पूछे। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या के पास महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले और खेल एवं युवा कल्याण जैसे महत्वपूर्ण विभाग हैं। प्रश्नकाल में पहला सवाल पूछा कांग्रेस विधायक लखपत बुटोला ने चमोली दशोली में सेमलडाला मैदान पेपलकोटी पर पूछा सवाल। मैदान के विस्तारीकरण के सवाल पर दिया जवाब कि अभी कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

दूसरे सवाल में भाजपा विधायक सुरेश गड़िया ने नेशनल गेम्स में मेडल होल्डर खिलाड़ियों को नौकरी पर पूछा। मातृ वंदना योजना पर डोईवाला विधायक बृजभूषण गैरोला ने पूछा सवाल। लक्ष्य से कम पंजीकरण पर उठाया सवाल। मानकों को लेकर उठाये सवाल। खेल और युवा कल्याण मंत्री से पूछा गया मिनी स्टेडियम और खेल मैदानों पर सवाल। बीच में मुख्यमंत्री ने उठ कर दिया जवाब। बजट में हर ब्लाक के लिए मिनी स्टेडियम बनाने के लिए रखा गया जवाब में रेखा आर्या में कहा कि राष्ट्रीय हेल्थ सर्वे और योजना के स्पेसिफिक मानकों के चलते आ रही है व्यावहारिक दिक्कत।

महेश जीना ने रेखा आर्या से पूछा एपीएल बीपीएल कार्ड को लेकर सवाल। है प्रावधान है। प्रश्नकाल में कांग्रेस विधायक ने कहा कि राशन कार्ड नहीं बन पा रहे हैं और इससे आयुष्मान कार्ड भी नहीं बन पा रहा है। मंत्री ने किया स्पष्ट कि राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड में कोई संबंध नहीं है। परिवार बंटवारे के समय आती है समस्या पर काजी बोले पूरे प्रदेश की ही ये नीतिगत समस्या है।

महाराज के बयान पर कांग्रेसी खफा

विधानसभा के अन्य कार्यों में उपयोग को लेकर सतपाल महाराज के बयान से विपक्ष खासा नाराज है। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्या ने कहा कि गैरसैंण विधानसभा भवन को शादी-बारात और वेडिंग/कारपोरेट डेस्टिनेशन बनाने का सुझाव अत्यंत निंदनीय है। गैरसैंण केवल एक भवन नहीं, बल्कि उत्तराखंड की जनता के संघर्ष, सपनों और राज्य आंदोलन की भावनाओं का प्रतीक है। इस स्थान को लोकतंत्र के मंदिर के रूप में स्थापित किया गया, उसे शादी-बारात या कारपोरेट कार्यक्रमों के लिए उपयोग करने की बात करना राज्य की अस्मिता का अपमान है। सरकार को इस विषय पर तत्काल स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह वास्तव में विधानसभा जैसे पवित्र संस्थान को पर्यटन और व्यावसायिक आयोजनों का स्थल बनाना चाहती है? उत्तराखंड की जनता इस विषय पर सरकार से स्पष्ट जवाब चाहती है।

सत्र के दौरान गैरसैंण को स्थाई राजधनी करेंः यूकेडी

यूकेडी के केंद्रीय युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष आशीष नेगी ने कहा की विधानसभा सत्र के दौरान सरकार गैरसेण को स्थाई राजधानी घोषित करे। यदि वें ऐसा नहीं करती है तो जो बेरीकेडिंग उन्हें रोकने के लिए लगाई है। युकेडी खुद बेरीकेडिंग लगाकर नेताओं को रोकने का काम करेगी।

●विधानसभा में अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठे विपक्ष के नेता
●राजनैतिक दल और सामाजिक संगठन कर रहे है सड़क पर प्रदर्शन

स्थानीय लोगों से मिले सीएम धामी

विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन सदन की कार्यवाही से पहले भराड़ीसैंण में प्रात:काल भ्रमण के दौरान सीएम धामी ने पूर्व ग्राम प्रधान चंद्र सिंह की दुकान पर चाय की चुस्कियों का आनन्द लिया। वहां उपस्थित स्थानीय लोगों के साथ संवाद कर सरकार की विभिन्न योजनाओं का फीडबैक लिया। सीएम ने कहा कि हमारी सरकार का प्रयास इकोलाजी और इकोनामी के बेहतर समन्वय के साथ पहाड़ी क्षेत्रों का सुनियोजित विकास करना है, जहां स्थानीय लोगों को सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की सुविधा उपलब्ध हो सके।

मासूम को कार ने रौंदा, चालक हिरासत में

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून के नकरौंदा क्षेत्र में एक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया है यहाँ एक तेज रफ्तार गाड़ी ने सड़क पर एक मासूम बच्चे को बेरहमी से रौंद डाला इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसे देखकर किसी की भी रूह कांप जाए।

सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई भयावह घटना वायरल हो रहे फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि मासूम बच्चा सड़क के किनारे या उसे पार करने की कोशिश कर रहा था, तभी एक अनियंत्रित कार उसे अपनी चपेट में लेते हुए ऊपर से गुजर गई। दुर्घटना इतनी जोरदार थी कि बच्चे को संभलने का मौका तक नहीं मिला। इस घटना को लेकर रायपुर/डोईवाला क्षेत्र की पुलिस क्षेत्राधिकारी रीना राठौर ने बताया कि ये घटना दुखद है जिसमें एक बच्ची की जान चली गयी है। वहीं दुर्घटना के बाद कार चालक बच्ची को रायपुर में अस्पताल ले गया था जहां बच्ची की मौत हो गई। वहीं फिलहाल चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया गया है ।

लोक कलाकार दीवान कनवाल के निधन पर मुख्यमंत्री ने जताया शोक

संवाददाता

देहरादून। लोक कलाकार दीवान कनवाल के निधन पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रसिद्ध लोक कलाकार दीवान कनवाल के निधन पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दीवान कनवाल ने उत्तराखण्ड की समृद्ध लोक संस्कृति और लोक संगीत को नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि दीवान कनवाल का निधन उत्तराखण्ड की लोक कला और सांस्कृतिक जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों एवं उनके प्रशंसकों को यह दु:ख सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

जब एसएसपी देहरादून से मिलने पहुँची उनकी एक नन्ही प्रशंसक

देहरादून (सं)। एक नन्हीं प्रशंसक एसएसपी से मिलने उनके कार्यालय पहुंची और उनको पुष्प गुच्छ भेंट कर उसकी नन्ही मुस्कान में खाकी के प्रति सम्मान दिखायी दिया। आज यहां पुलिस कार्यालय देहरादून में अपनी समस्याओ को लेकर आने वाले फरियादियों के बीच एक नन्ही और प्यारी सी बच्ची अपने नन्हे हाथों में रंग-बिरंगे फूलों का एक पुष्पगुच्छ थामे एसएसपी देहरादून से मिलने के लिये पहुंची, जिसके द्वारा एसएसपी देहरादून से मुलाकात के दौरान अपनी प्यारी से मुस्कान के साथ अपने साथ लाये फुलो के गुलदस्ते को उन्हें भेंट किया। छोटी सी उम्र में कप्तान अंकल से मिलने आने का कारण पूछने पर उक्त बच्ची द्वारा मासूमियत से जवाब दिया कि चाहे दिन हो या रात पुलिस वाले अंकल हमेशा सडक पर खडे होकर हमारी रक्षा करते है, बच्ची की बातों के दौरान उसकी आँखों में पुलिस की वर्दी के प्रति डर न होकर एक सम्मान और आकर्षण था। बच्ची की मासूमियत भरी मुस्कान व पुलिस पर जताए भरोसे पर एसएसपी देहरादून द्वारा बच्ची के सिर पर हाथ रखकर उसे जीवन में खूब तरक्की करने का आशीर्वाद दिया गया। यह छोटी सी मुलाकात केवल एक शिष्टाचार नहीं थी, बल्कि खाकी के प्रति उस मासूम चेहरे पर भरोसे का प्रतीक थी।

बीकेटीसी का फैसलाः 47 मंदिरों में गैर सनातनियों के प्रवेश पर रोक

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। बदरी-केदार मंदिर समिति ने बदरी-केदार सहित 47 मंदिरों में गैर हिंदुओं के लिए प्रवेश वर्जित करने का निर्णय लिया है।

बदरी केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि बीकेटीसी के अधीन आने वाले मंदिरों में गैर हिंदुओं के प्रवेश वर्जित का प्रस्ताव पारित किया गया है। बीकेटीसी के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी की अध्यक्षता में हुईई बजट बैठक के दौरान आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 121.7 करोड़ रुपए का बजट पारित किया गया। इसके साथ ही सबसे महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर भी मुहर लगी, जिस पर देशभर की निगाहें टिकी हुई थी। दरअसल, बजट बैठक के दौरान बदरीनाथ और केदारनाथ समेत बीकेटीसी के अंडर आने वाले उत्तराखंड के 47 मंदिरों में गैर सनातनियों के प्रवेश वर्जित का प्रस्ताव रखा गया। इस पर सहमति बनने के साथ ही इस प्रस्ताव को पारित कर दिया गया।

इन मंदिरों में प्रवेश पर लगाया प्रतिबंध: बीकेटीसी ने इन 47 मंदिरों में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया है। बदरीनाथ और केदारनाथ धाम के साथ ही त्रियुगीनारायण मंदिर, नरसिंह मंदिर, विश्वनाथ मंदिर, ओंकारेश्वर मंदिर, कालीमठ मंदिर, ब्रह्मकपाल शिला एवं परिक्रमा- बदरीनाथ, तप्त कुंड, शंकराचार्य समाधि, मद्महेश्वर, तुंगनाथ,

बदरी-केदार मंदिर समिति ने बजट बैठक में पारित किया प्रस्ताव वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 121.7 करोड़ का बजट पारित

रुद्रनाथ, कल्पेश्वर, योगध्यान बदरी, भविष्य बदरी, आदि बदरी, वृ(बदरी, माता मूर्ति मंदिर, वासुदेव मंदिर, गौरी कुंड मंदिर, आदिकेदारेश्वेर मंदिर, पांच शिला बदरीनाथ ;नारद शिला, नृसिंह शिला, बाराही शिला, गरुड़ शिला और मार्कण्डेय शिलाद्ध, पांच धाराएं ;प्रह्लाद धारा, कूर्मा धारा, भृगु धारा, उर्वशी धारा और इंदिरा धाराद्ध, ऊखीमठ में उषा का मंदिर, कालिशिला और वसुधारा शामिल हैं। बीकेटीसी और गंगोत्री यमुनोत्री मंदिर समितियां पहले ही साफ कर चुकी हैं कि गैर हिंदू मतलब जो सनातन धर्म को नहीं मानते उनका प्रवेश मंदिर में वर्जित किया गया है।

बीकेटीसी के पास है इनकी व्यवस्था: बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अधीन बदरी-केदार समेत 47 अन्य मंदिर आते हैं। बीकेटीसी इन मंदिरों की व्यवस्था देखती है। बीकेटीसी 1939 के अधिनियम के तहत काम करती है। बदरी-केदार मंदिर समिति बदरीनाथ और केदारनाथ समेत अन्य मंदिरों के कपाट खुलने और बंद होने की व्यवस्था करती है। इसके साथ ही इन मंदिरों के विकास और तीर्थयात्रियों की सुख-सुविधाओं के लिए बजट पास करना भी इनका जिम्मा है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।